Roll No:- 39
Class No:- 5 Question No:- 1

➢➢ *राजयोग का अभ्यास*

➳ _ ➳ मैं आत्मा *मुक्ति धाम* में हूँ

→ _दुःख पीड़ा से पूरी तरह से छूट चुकी हूँ_

➳ _ ➳ मैं आत्मा *मोक्ष धाम* में हूँ

➳ _ ➳ मैं आत्म *निर्वाण* में हूँ

➳ _ ➳ मैं आत्मा *Land Of Liberation* में हूँ

→ _सम्पूरण स्वतंत्र स्थिति_ का अनुभव

➢➢ *किसी भी आत्मा का कल्याण करने के लिए*

➳ _ ➳ उस आत्मा की *किसी कमजोरी को*

→ _चित पर न रखें_

→ _पकड़ कर न रखें_

➳ _ ➳ उस आत्मा के प्रति *अशुद्ध / व्यर्थ / घृणा भाव से मुक्त रहे*

→ *इनका कभी कल्याण नहीं हो सकता... यह कभी बदल नहीं सकता* - किसी के प्रति ऐसा संकल्प कर उसे श्रापित न करें

→ "उस आत्मा में बहुत महानताएं भी हैं" - जो हमें दिख नहीं रही हैं

➳ _ ➳ स्वयं में जितना *पवित्रता का स्टॉक* होगा, उतना दूसरों का कल्याण कर पायेंगे